22. परीक्षा

आचार्य चरक आयुर्वेद के महान जानकार थे। घने जंगल में उनका आश्रम था। हर साल बहुत सारे विद्यार्थी उनके आश्रम में आयुर्वेद व जड़ी-बूटियों का ज्ञान प्राप्त करने आते थे।

वे प्रत्येक दिन शिष्यों को वनस्पतियों के बारे में जानकारी देते थे। हर पूर्णिमा की रात वे अपने शिष्यों को लेकर जंगल में निकल पड़ते, क्योंकि कुछ बूटियाँ चाँदनी रात में ही पहचानी जा सकती थीं।

ऐसे में जंगली जानवरों का भय भी होता था। एक तो रात, ऊपर से तरह-तरह की डरावनी आवाज़ों- ये सब मिलकर भय का वातावरण बनाती थीं। कुछ विद्यार्थी तो डर के मारे बीच में ही पढ़ाई छोड़कर भाग जाते थे। आचार्य चरक कहते -"अच्छा हुआ कि डरपोकों ने मेरा समय नष्ट नहीं किया। जो मौत से डर गए वे वैद्य क्या बनेंगे? वैद्य का तो काम ही मौत से लड़ना है। मृत्यु पर विजय पाना है।"

वे परीक्षा भी इतनी कड़ी लेते कि सैकड़ों में कुछ ही विद्यार्थी उत्तीर्ण होते । जो उत्तीर्ण होते वे चारों ओर उनका यश फैलाते। लोगों को विभिन्न रोगों से मुक्ति दिलाते।

आचार्य चरक ने एक बार की परीक्षा में अपने विद्यार्थियों से कहा–"मैं तुम्हें 30 दिन का समय देता हूँ। इन 30 दिनों में तुम्हें सारे जंगल छान मारने होंगे और उन जड़ी-बूटियों को लाना होगा, जिनका आयुर्वेद में कोई उपयोग नहीं होता।"

सभी विद्यार्थी चारों दिशाओं की ओर दौड़ पड़े। कुछ विद्यार्थियों को घास-फूस और कँटीली झाड़ियाँ व्यर्थ लगीं। वे उन्हें झोली में भरकर ले आए। कुछ ने वृक्षों की छालें व पत्तियाँ आदि इकट्ठी कीं, जिनकी कोई दवा नहीं बनती थी। कुछ विद्यार्थियों ने ज़्यादा छानबीन की और ज़हरीले फल और तने लाए, जिन्हें खाने से जीवों की मृत्यु होती थी। कुछ अधिक परिश्रमी शिष्यों ने जड़ें भी खोदकर इकट्ठी कर लीं।

बीस दिन के बाद सभी शिष्यों ने अपनी-अपनी जमा की गई जड़ी-बूटियाँ दिखाईं। चरक ने सभी की लाई चीज़ें देखीं। पर वे संतुष्ट नहीं हुए।

उनतीसवें दिन तक केवल एक को छोड़कर सभी शिष्य लौट आए। सभी कुछ न कुछ बीनकर लाए थे। अंतिम शिष्य तीसवें दिन लौटा, वह भी खाली हाथ। वह एक भी वनस्पति नहीं ला पाया था। उसे देख सारे शिष्य हँस पड़े । चरक ने प्रश्नसूचक दृष्टि से उस शिष्य को देखा। वह बोला–"गुरुदेव मुझे सारे जंगल में एक भी ऐसी वनस्पति नहीं मिली जो आयुर्वेद के काम न आती हो या बेकार हो।"

चरक ने घोषणा की – "इस वर्ष यही विद्यार्थी उत्तीर्ण हुआ है। सचमुच जंगल में ऐसी कोई वनस्पति नहीं है, जो बेकार हो। अगर हम किसी वनस्पति का उपयोग नहीं कर पा रहे हैं, तो उसका अर्थ यही है कि हम उसके गुणों को अभी पहचान नहीं पाए हैं। हमारा ज्ञान उसके बारे में अधूरा है।"

शब्दार्थ

आयुर्वेद	–	एक तरह की चिकित्सा पद्धति
आश्रम	–	जहाँ रहकर शिष्य विद्या अध्ययन करते थे
वैद्य	–	चिकित्सा करने वाले
शिष्य	–	छात्र
वनस्पति	–	पेड़-पौधे

अभ्यास

परीक्षा के बहाने

1. परीक्षा शब्द सुनते ही आपको कैसा लगता है?
2. परीक्षा के दिनों में आपकी दिनचर्या में क्या बदलाव आता है?
3. परीक्षा क्यों ली जाती है?
4. अगर आपको परीक्षा में बदलाव लाने का अवसर दिया जाए तो आप उसमें क्या-क्या बदलाव लाएँगे और क्यों?
5. अपना परीक्षा-परिणाम आप सबसे पहले किसे बताते हैं और क्यों?

पाठ में से

1. गुरु जी का क्या नाम था? वे किस विषय के जानकार थे?
2. गुरु जी पूर्णिमा की रात शिष्यों को जंगल में क्यों ले जाते थे?

3. कुछ शिष्य बीच में ही पढ़ाई छोड़कर क्यों भाग जाते थे? सही उत्तर पर (✓) लगाएँ।

(क) पढ़ाई कठिन थी। ☐

(ख) गुरु जी डाँटते थे। ☐

(ग) रात में सोने को नहीं मिलता था। ☐

(घ) रात को जंगल में डर लगता था। ☐

4. गुरु जी ने शिष्यों को परीक्षा के लिए 30 दिनों का समय क्यों दिया होगा?
5. परीक्षा में शिष्यों को क्या करना था?
6. परीक्षा में केवल एक ही शिष्य उत्तीर्ण हुआ। क्यों?

सोच-समझकर

1. गुरु जी ने शिष्यों को परीक्षा के लिए 30 दिन दिए। आपको परीक्षा के लिए कितने दिन मिलते हैं? क्या उतने दिन काफ़ी हैं? सोचकर बताएँ।
2. गुरु जी परीक्षा के माध्यम से शिष्यों को क्या समझाना चाहते थे?
3. आयुर्वेद में किस विषय के बारे में बात की जाती है?
4. इस पाठ का शीर्षक परीक्षा क्यों रखा गया होगा?
5. आप इस कहानी के लिए कौन-सा शीर्षक रखेंगे? कोई दो शीर्षक बताइए। साथ ही यह भी बताइए कि आपने ये शीर्षक क्यों चुने।

   मेरा शीर्षक– .....

समझ की बात

1. पढ़ाई छोड़कर जाने वाले शिष्यों के लिए गुरु जी ऐसा क्यों कहते थे–" अच्छा हुआ कि डरपोकों ने मेरा समय नष्ट नहीं किया।"

2. आपको कब-कब लगता है कि आपका समय नष्ट हो रहा है? (✓) का निशान लगाइए –

(क) खेलने में ☐
(ख) पढ़ाई करने में ☐
(ग) टी.वी. देखने में ☐
(घ) स्कूल आने-जाने में ☐
(ङ) घर के लिए सामान खरीदने में ☐
(च) घर का काम करने में ☐
(छ) सोने में ☐
(ज) दोस्तों के साथ घूमने-फिरने में ☐
(झ) पानी भरने में ☐
(ट) पेंसिल ढूँढ़ने में ☐

3. आपके घर में कौन, कितने समय काम और कितने समय आराम करता है? तालिका में लिखिए –(समय घंटे, मिनट में लिखिए)

व्यक्ति	काम करना	आराम करना
गौं		
माँ		
पिताजी		
भाई		
बहन		
मित्र		

4. आपके बुजुर्ग अक्सर आपसे कहते होंगे –

- पढ़ लो, समय बर्बाद मत करो, बीता हुआ समय फिर वापस नहीं आता ।
- समय की कद्र करना सीखो। यूँ इधर-उधर समय क्यों गँवा रहे हो? आदि।

(क) क्या उनका ऐसा कहना ठीक है? क्यों?

(ख) जब वे ऐसा कहते हैं तो आपको कैसा लगता है?

(ग) किसी ऐसी घटना के बारे में बताइए जब आपने समय का ध्यान नहीं रखा और आपको कोई परेशानी उठानी पड़ी हो।

अनुमान और कल्पना

ऐसे में जंगली जानवरों का भय भी होता था।

1. जंगल में कौन-कौन से जानवर होते होंगे?
2. चाँदनी रात में पहचानी जा सकने वाली जड़ी-बूटियों में कौन-सी खास बात होती होंगी?
3. चरक ने अंतिम शिष्य को प्रश्नसूचक दृष्टि से क्यों देखा होगा?

आस-पास

1. क्या आपके आस-पास ऐसा कोई पेड़-पौधा है जो किसी तरह का नुकसान पहुँचाता है?
2. **नीचे दिए गए पेड़-पौधे के लाभ बताइए –**
   (i) नीम
   (ii) तुलसी
   (iii) चिरैता
   (iv) अर्जुन
3. आयुर्वेद रोगों के इलाज की एक पद्धति है। इसके बारे में शिक्षक या अन्य बड़े व्यक्तियों से पता कीजिए और कक्षा में बताइए।

शब्दों की दुनिया

1. **नीचे दिए गए शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए –**
   - वृक्ष – ---------- ----------
   - जंगल – ---------- ----------
   - शिष्य – ---------- ----------

- रात – ---------- ----------
- गुरु – ---------- ----------

2. **'सभी कुछ-न-कुछ बीनकर लाए थे।'** यहाँ 'बीनना' का क्या अर्थ है?

(i) इन शब्दों के प्रयोग में क्या अंतर है?
उठाना, लाना, बीनना, छाँटना

(ii) नीचे दिए गए वाक्यों में इन शब्दों का सही रूप के साथ प्रयोग कीजिए-
(क) मैंने आलू ---------- अलग कर दिया।
(ख) पिताजी चावल ---------- रहे थे।
(ग) शीला ने चादर ---------- ----------।
(घ) नंदू क्या ---------- है?
(ङ) गाँववाले जलावन के लिए सूखी लकड़ियाँ ---------- गए हैं।
(च) सागान गें से सब्जी और दालें ---------- अलग कर दो।

भाषा के नियम

1. **नीचे दिए गए वाक्यों में कौन-सा काल आया है। लिखिए-**

भूतकाल, वर्तमानकाल, भविष्यत्काल
(क) मैं तुम्हें 30 दिन का समय देता हूँ। ----------
(ख) वैद्य का तो कार्य ही मौत से लड़ना है। ----------
(ग) आचार्य चरक आयुर्वेद के महान जानकार थे। ----------
(घ) तुम्हें सारे जंगल छान मारने होंगे। ----------
(ङ) सभी कुछ-न-कुछ बीनकर लाए थे। ----------

2. **'यश'** शब्द में **'सु'** या **'अप'** जोड़ने से नए शब्द बनते हैं- **'सुयश'**, **'अपयश।'** नीचे दिए गए शब्दों को जोड़ते हुए नए शब्द बनाइए-
(क) सु कन्या ----------
(ख) सु पुत्र – ----------
(ग) अन + देखा – ----------

(घ) अन – पढ़ = ----------------------

(ङ) प्र + काश – ----------------------

(च) प्र – देश – ----------------------

(छ) अ शांति ----------------------

(ज) अ । न्याय ----------------------

3. नीचे दिए गए शब्द-समूह में से सही शब्द पर घेरा लगाइए–

(क)	आर्युवेद	आयुर्वेद	आयुवेर्द
(ख)	पूणिमा	पूर्णिमा	पूणिर्मा
(ग)	उर्त्तीण	उत्तीर्ण	उत्तीण

4. नीचे दिए गए शब्दों को अलग-अलग समूह में छाँटकर लिखिए–
हर समूह में एक-एक शब्द अपनी ओर से भी लिखिए–

परीक्षा	विद्यालय	उत्तीर्ण	मृत्यु	पद्य
मृग	क्षण	परिश्रम	आयुर्वेद	प्रकृति
वर्ष	आश्रम	क्षमा	श्रमिक	उद्योग

शब्द-समूह				
क्ष	द्य	श्र	ऋ	(ि)/ऱ्

कुछ करने के लिए

1. क्या परीक्षा में पुस्तक खोलकर देखने की अनुमति होनी चाहिए। अपने विचार बताइए।
2. 'परीक्षा' पाठ में से ऐसे प्रश्न लिखिए जो आपसे परीक्षा में पूछे जाने चाहिए।